

**Students trained under Skill India Mission**

\*82. DR. VINAY P. SAHASRABUDDHE: Will the Minister of SKILL DEVELOPMENT AND ENTREPRENEURSHIP be pleased to state:

- (a) the average age of students who have been trained over the past five years under Skill India Mission;
- (b) the number of students trained under this scheme who have secured jobs, post their training; and
- (c) out of all the students trained, the percentage of female students as well as those of SC, ST and other weaker sections?

THE MINISTER OF SKILL DEVELOPMENT AND ENTREPRENEURSHIP (DR. MAHENDRA NATH PANDEY): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

**Statement**

(a) to (c) Under Skill India Mission, the Government is implementing various schemes for imparting employable skills to the youth through short-term and long-term training. Different implementing Government of India Ministries/Departments have been maintaining data in different formats. The Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (MSDE) is implementing its flagship scheme Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY), launched in 2015, to provide employable skills to the youth of the nation. Owing to the success of PMKVY 1.0, the scheme was re-launched in October, 2016 and called PMKVY 2.0 (2016-20) on pan-India basis with a target to provide skilling to one crore people under Short Term Training (STT), Recognition of Prior Learning (RPL) and Special Project (SP) across the country over four years (2016-20) with an outlay of 12,000 crore. The short term training and special projects component of the scheme targets youth, particularly school and college dropouts and the RPL impart skills training for existing workers to align the competencies of the unregulated workforce to the NSQF under PMKVY 2.0. The average age of candidates in the three formats of the training is 24 years for STT, 35 years for RPL and 24 years for SP.

PMKVY 2.0 (2016-20) has two components viz Centrally Sponsored Centrally Managed (CSCM) implemented by National Skill Development Corporation (NSDC) and Centrally Sponsored State Managed (CSSM) implemented by State Skill Development Missions of the States/ UTs known as State- Engagement Component of PMKVY (2016-20). Under

PMKVY 2015-16, 19.8 lakh candidates were trained. Under PMKVY 2.0, as on 12.06.2019, 52.11 lakh (appx.) candidates have been trained (27.06 lakh STT + 21.04 lakh RPL+ 1 lakh SP+3.01 lakh CSSM) in the country, out of which 12,60 lakh have been placed. The candidates trained include 42.86% Female, 32.54% Other Backward Class (OBC), 13.29% Scheduled Caste (SC) and 3.55% Scheduled Tribes (ST) candidates.

Long term training is provided through Industrial Training Institutes (ITIs). There are 14494 ITIs with a training capacity of 33.98 lakh. The average age of the trainees in the ITIs is 19 year. The details of the percentage of female, SC and ST trainees trained under Craftsmen Training Scheme during the period 2014-15 to 2017-18 and trainees being trained in 2018-19 are given in Annexure (*See below*).

Under Apprenticeship Training Programme, the average age of the apprentices is 24.15 year. At present, 5,83,267 apprentices have completed apprenticeship. The average composition of the apprentices is 8.85 % female, 42.78% OBC, 17.2 % SC and 7.4% ST.

#### ***Annexure***

*Details of the percentage of female, SC and ST trainees trained under Craftsmen Training Scheme during the period 2014-15 to 2017-18 and trainees being trained in 2018-19.*

Sl. No.	State Name	Total trainees trained				Trainees being trained in 2018-19 in the trades of 1 and 2 years
		2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	
1	2	3	4	5	6	7
1.	Andaman and Nicobar Islands	109	123	247	254	568
2.	Andhra Pradesh	42924	98101	57686	48279	99658
3.	Arunachal Pradesh	384	306	425	413	915
4.	Assam	1808	3295	2847	2413	4256
5.	Bihar	51460	61209	66460	80702	200186
6.	Chandigarh	497	634	871	893	1218
7.	Chhattisgarh	8862	10383	13991	13727	28533

1	2	3	4	5	6	7
8.	Dadra and Nagar Haveli	98	216	108	77	214
9.	Daman and Diu	0	595	176	149	349
10.	Delhi	5196	5715	7128	7090	16192
11.	Goa	1350	2085	1562	1781	2879
12.	Gujarat	38174	241655	51703	51540	124394
13.	Haryana	13841	32411	34655	38502	89774
14.	Himachal Pradesh	12164	17539	17174	16118	31991
15.	Jammu and Kashmir	106	2461	2538	2221	3483
16.	Jharkhand	29506	46360	26710	27467	56817
17.	Karnataka	30675	85865	70781	59095	143845
18.	Kerala	23201	31406	29774	26222	55083
19.	Lakshadweep	98	94	90	72	87
20.	Madhya Pradesh	17404	20917	41136	54754	123076
21.	Maharashtra	69953	93346	105806	101247	186679
22.	Manipur	43	51	63	59	174
23.	Meghalaya	433	556	583	387	805
24.	Mizoram	174	385	544	333	588
25.	Nagaland	0	87	150	90	190
26.	Odisha	45779	40163	48480	38830	94416
27.	Puducherry	714	634	903	648	1789
28.	Punjab	25677	31207	42146	34699	53701
29.	Rajasthan	52377	52522	126957	113915	228027
30.	Sikkim	192	648	274	206	475
31.	Tamil Nadu	26985	74981	39840	34229	66371
32.	Telangana	21173	21276	34851	31825	59585
33.	Tripura	818	858	1352	1050	3282
34.	Uttar Pradesh	106482	85380	154853	165192	562799
35.	Uttarakhand	5083	4696	8464	9270	19844

1	2	3	4	5	6	7
36.	West Bengal	10670	9772	12745	20481	50174
	GRAND TOTAL	644410	1077932	1004073	984230	2312417
	Female %age	9.33	9.50	10.56	28.79	
	SC %age	15.95	18.65	20.10	21.08	
	ST %age	6.24	6.85	6.39	9.79	

**डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे:** माननीय उपसभापति जी, मेरा एक बहुत स्पेसिफिक उप-प्रश्न है।

**श्री उपसभापति:** सहस्रबुद्धे जी, पहले मिनिस्टर रिप्लाई ले करेंगे। Question No. 82 मैंने बताया है।

**डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे:** माननीय मंत्री, आप बोलिए कि पटल पर रखा है, फिर मैं प्रश्न पूछूंगा।

**डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय:** मैंने उत्तर सदन के पटल पर रखा दिया है।

**डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे:** माननीय उपसभापति जी, मेरा स्पेसिफिक उप-प्रश्न है यह है कि कौशल विधाओं की बहुत सारी पद्धतियां हैं। टेलरिंग से लेकर कुंभ कला तक बहुत सारी पद्धतियां हैं। मेरा सवाल यह है कि इसमें से कौन सी विधाओं के लिए, कौन सी vocations के लिए, कौन से occupations के लिए, कौन सी skills के लिए ज्यादा डिमांड आती है?

**डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय:** माननीय सदस्य महोदय ने जितनी प्रकार की विधाओं के बारे में जिक्र किया है, उसके साथ-साथ plumbing, sewing, machine, industrial beauty and wellness आदि 40 प्रकार की ऐसी ट्रेनिंग्स हैं। जो अभी डिमांड्स हैं, उसमें sewing machine, सिलाई-बुनाई के लिए और plumbing के लिए, इन विषयों पर ज्यादा रोजगार और ज्यादा अध्ययन की बातें आती हैं। इसके अलावा और भी कुछ ऐसे स्किल्स हैं, जैसे आजकल मोबाइल रिपेयरिंग और कंप्यूटर नेटवर्किंग, इन विषयों पर भी डिमांड्स आती हैं।

**डा. विनय पी. सहस्रबुद्धे:** उपसभापति जी, यह बात भी सही है कि एक ओर जिनको कौशलता की आवश्यकता है, ऐसा एक बहुत बड़ा युवा वर्ग है। दूसरी ओर जो कौशलता का प्रशिक्षण दे सकते हैं, skill givers, उनकी भी संख्या है, क्योंकि जो निवर्तमान हो जाते हैं, उनके पास एक स्किल है। सरकार को हमने एक सुझाव दिया था कि skill givers and skill seekers, इनका एक डेटाबेस बनाया जाए, उनको मैच करने के लिए एक App विकसित किया जाए। मैंने इस बारे में लिखित रूप से एक सुझाव दिया था और मैं फिर से दूंगा। मेरा निवेदन है कि क्या सरकार ऐसे सुझावों को आकलन में लेगी?

**डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय:** मैं माननीय सदस्य को आश्चर्य करना चाहूंगा कि हम लोग RPL Scheme के तहत, इस Recognition of Prime Learning पर इस तरह की चीजों को लेते हैं। फिर भी माननीय सदस्य का सुझाव मूल्यवान है, उसे हम विचार में लेंगे।

**श्री उपसभापति:** इस सवाल पर कोई और सप्लीमेंटरी नहीं है, इसलिए अब अगले सवाल पर आते हैं। सवाल नम्बर 83, श्री राम नाथ ठाकुर जी।

**रेलवे सुरक्षा बल में महिला सिपाहियों की भर्ती**

\*83. **श्री राम नाथ ठाकुर:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे सुरक्षा बल में महिला सिपाहियों की पर्याप्त संख्या है;

(ख) क्या पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चलती गाड़ियों में रक्षक दल के रूप में इन महिला सिपाहियों की तैनाती की जाती है;

(ग) क्या यह सच है कि महिला यात्रियों की समुचित रूप से सुरक्षा और संरक्षा करने हेतु पर्याप्त संख्या में महिला सिपाही उपलब्ध नहीं हैं; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार महिला यात्रियों के लिए न्याय संगत और समुचित सुरक्षा और संरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त संख्या में महिला सिपाहियों की भर्ती करने का विचार रखती है?

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अंगादि सुरेश चन्नाबासप्पा):** (क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**विवरण**

(क) जी हां।

(ख) जी हां। वे भी चलती गाड़ियों का मार्गरक्षण करती हैं।

(ग) जी नहीं। महिला कांस्टेबल की पर्याप्त संख्या (1769) उपलब्ध है। बहरहाल, इनकी संख्या और बढ़ाने के लिए वर्ष 2018 में जो भर्ती शुरू की गई थी, उसमें कांस्टेबलों और उप-निरीक्षकों के लिए अधिसूचित 8619 और 1120 रिक्तियों में से क्रमशः 4216 और 301 रिक्तियां महिलाओं के लिए आरक्षित की गई थीं। यह प्रक्रिया शीघ्र पूरी होने वाली है और इसके पूरा होने से रेल सुरक्षा बल में महिला कांस्टेबलों और अधिकारियों की संख्या में और बढ़ोत्तरी होगी।

(घ) जी हां।

**Recruitment of lady constables in RPF**

†\*83. **SHRI RAM NATH THAKUR:** Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether there are adequate number of lady constables in the Railway Protection Force (RPF);

---

†Original notice of the question was received in Hindi.